www.lnmuonline.com

LNMU Question Paper BA Part-2 - 2014

Maithili (Hons.) Paper-III

उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी मे लिखू।

1. निम्नलिखित प्रश्नक उत्तर लिखू :
   (क) 'विचार वीथी' कोन विधाक रचना थिक?
   (ख) 2013 मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार कोन पोथी कें भेटल?
   (ग) 'जीवन यात्रा' कोन विधाक रचना थिक?
   (घ) 2011 मे प्रबोध साहित्य सम्मान किनका भेटल अछि?
   (ङ) 'विचार वीथी' मे कुल कतेक रचनाक संग्रह अछि?
   (च) 'मैथिली गद्यक विकास' पोथीक प्रस्तावना के लिखने छथि?
   (छ) 'मैथिली लोक साहित्यक भूमिका' शीर्षक कोन पोथी मे संकलित अछि?
   (ज) 'अंकिया नाटक मैथिली गद्य' शीर्षक रचना कोन पोथी मे संकलित अछि?
   (झ) 'विचार वीथी'क कतेक पाठ पाठ्यक्रम मे देल अछि?
   (ञ) रामदेव झाक पोथीक नाम लिखू।
2. निम्नलिखित मे सँ कोनो तीन प्रश्नक उत्तर लिखू :
   (क) 'जीवन यात्रा'क आधार पर 'वाल्य-संस्कार'क वर्णन करू।
   अथवा, 'जीवन यात्रा' पोथीक आधार पर प्रो० हरिमोहन झाक परिचय दिअ।
   (ख) 'विचार वीथी'क आधार पर 'वर्णरत्नाकर' शीर्षक निबन्धक समीक्षा करू।
   अथवा, 'मैथिली कविताक विकास' शीर्षक निबन्धक सारांश लिखू।
   (ग) पठित पाठ्य पुस्तकक आधार पर लोक साहित्य सँ परिचय कराउ।
   अथवा, 'मिथिलाक लोकगाथा : दीना भद्री' शीर्षक निबन्धक विवेचन करू।
   (घ) 'मैथिली गद्यक विकास' पोथी सँ सुरेन्द्र झा सुमनक 'मैथिली गद्यक प्रसंग' विचारक समीक्षा करू।
   अथवा, 'मैथिली प्रारम्भिक गद्य' सँ परिचय कराउ।
3. कोनो दू उद्धरणक सप्रसंग व्याख्या करू :
   (क) मिथिलाक महिलालोकीन धर्माचरणक रूप मे सौभाग्य, आयु, धन-सन्ततिक कल्याणार्थ अनेक पावनि-व्रत करैत छथि जाहि मे पावनि-व्रतक महात्म्य-प्रतिपादक विहित परम्परित कथाक वाचन-श्रवण करैत छथि। यैह कथा सब व्रतकथा वा पावनिक कथा कहल जाइछ। एहि कथा सभकें ओहिना श्रद्धा ओ भक्तिक संग कहल-सुनल जाइछ जेना श्रीमद्भागवत, हरिवंश, रामायण वा अन्य पुराण सब सुनल जाइछ।
   (ख) तेहन छनन मनन होमय लगैत छलैक जे सौंसे घर-आंगन गमगम क' उठैत छल। चंगेराक चंगेरा पकवान पोखीरक घाट पर जाइत छल। पवनैतिनसभ भरि छाती पानि मे ठाढ़ि भ' सूर्य देवताकें अर्घ दैत छलथिन।
   (ग) समांजक विकासक जे प्रवाह चलि रहल छैक, परिवर्तनक जे गति छैक, नवीनताक जे बसात बहि रहल छैक, आधुनिकताक जे रंग पसरि रहल छैक, ताहिमे एहि लोकगाथा सभक अस्तित्व कतवा दिन धरि रहि सकत से अनुमान करब कठिन नहि अछि।
   (घ) श्रृंगार तथा वीरत्वक भावना मानवक अनादि भावना थिक। श्रृंगारक क्षेत्र अत्यन्त विस्तृत छैक कारण एकर आधार थिकैक प्रेम। प्रेरक संबंध विरहक वेदनों सँ छैक आओर मिलनक महोत्सव हुसँ। तें लोकगीत मे हमरा कतहु कथाक अश्रुपूर्ण छटा भेटैछ तँ कतहु आवश्यक उज्जवल चन्द्रिका।
   (ङ) आधुनिक युग मे अवकाशक न्यूनता, मानव जीवनमे उत्तरोत्तर बड़ैत द्वन्द्व, निरन्तर व्यस्तता, तीव्रता, अशान्ति तथा कार्य बाहुल्यक कारणें एकांकी नाटकक जन्म भेल अछि। एकांकीक जन्म विशेषत: कोनो समस्यासँ होइत अछि।

www.lnmuonline.com